राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
NATIONAL INSTITUTE OF OPEN SCHOOLING

आईएसओ 9001 : 2008 प्रमाणित/ISO 9001 : 2008 Certified

(स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, मा.सं.वि.मं., भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत संस्था)

(An Autonomous Institution Under Deptt. of School Education and Literacy, M.H.R.D., Govt. of India)

F-41-13/705/2020/RSPQ-687923/NIOS/Pers/38

14 February, 2020

Under Secretary
Ministry of Human Resource and Development
Department of School Education and Literacy
School - 3 Section, Shastri Bhawan,
New Delhi – 110003
Email: usnlml.edu@nic.in

विषय : राज्य सभा में विशेष उल्लेख के द्वारा उठाए गए अविलंब लोक महत्व के मामले।

Sir,

With reference to above mentioned Parliament Question, please find enclosed reply in respect of National Institute of Open Schooling (NIOS) for information and necessary action, please.

Yours faithfully,

14/2/2020

(S.K. Sinha)
Joint Director (Admn.)

Encl.: As above

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
NATIONAL INSTITUTE OF OPEN SCHOOLING

आईएसओ 9001 : 2008 प्रमाणित/ISO 9001 : 2008 Certified

(स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, मा.सं.वि.मं., भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत संस्था)

(An Autonomous Institution Under Deptt. of School Education and Literacy, M.H.R.D., Govt. of India)

F-41-13/705/2020/RSPQ-687923/NIOS/Pers/38
February, 2020

विषय : राज्य सभा में विशेष उल्लेख के द्वारा उठाए गए अविलंब लोक महत्व के मामले |

क्र.सं.	दिनांक/ सदस्य का नाम	विषय	उत्तर/ जवाब
1	28.11.2019 श्री नारायण दास गुप्ता	शिक्षा के बढते वित्तीये भार को कम करने की मांग	राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान है जो ऐसे व्यक्तियों को शिक्षा के अवसर प्रदान करता है जो आगे पढ़ना चाहते हैं और बेहतर भविष्य बनाना चाहते हैं। राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) से संबन्धित नहीं है	
2	29.11.2019 श्री रिपुन बोरा	असम में केन्द्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) असमी भाषा को क्षेत्रीय भाषा के तौर पर शामिल करने की आवसयकता के बारे	राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) से संबन्धित नहीं है	
3	29.11.2019 प्रो. मनोज कुमार झा	एसएटीच - ई कार्यक्रम के कारण स्कूलो को बंद किए जाने का मामला	राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) से संबन्धित नहीं है	
4	03.12.2019 श्री रिपुन बोरा	उच्च तकनीकी संस्थानो में अनुसंधान कार्य के लिय निधि की माँग	राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) से संबन्धित नहीं है	
5	04.12.2019 श्री प्रसन्न आचार्य	वी सुरेन्द्र साई विश्वीद्यलाया, बुरला, ओड़ीसा का उन्नयन कर भारतीय अभियांत्रिकी विज्ञान और प्रोद्योगिकी संस्थान बनाने की माँग	राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) से संबन्धित नहीं है	
6	05.12.2019 श्रीमति शांता क्षत्री	नेपाली भाषा को उच्चत्तर माध्यमिक स्तर पर एक विषय के रूप में शामिल करने की माँग	इस विषय पर कार्यवाही की जा रही है	
7	06.12.2019 डॉ. सोनल मानसिंह	नई शिक्षा नीति में भारतीय सांस्कृतिक विरासत शामिल करने की माँग	राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) द्वारा पहले से ही भारतीय सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने, व्यापक जन समूह तक पहुँचने तथा वृहत् स्तर पर बढ़ावा दिये जाने के लिए प्रतिबद्ध है जिसके क्रम में मुख्य रूप से निम्न कार्य किए जा रहे हैं: • माध्यमिक स्तर पर "भारतीय संस्कृति और विरासत" विषय का निर्माण पूर्व में ही किया जा चुका है तथा उच्च माध्यमिक स्तर पर "भारतीय संस्कृति और विरासत" विषय का निर्माण किया जा रहा है। • एनआईओएस ने वैदिक शिक्षा, संस्कृत भाषा तथा साहित्य, भारतीय दर्शन तथा प्राचीन भारतीय ज्ञान के अन्य विभिन्न क्षेत्रों को पुनर्जीवित करने के लिए "भारतीय ज्ञान परंपरा" स्ट्रीम का प्रारंभ संस्कृत माध्यम में किया है। इस स्ट्रीम का उद्देश्य देश भर में हमारी प्राचीन शिक्षा प्रणाली

			को पुनजीर्वित करना भी है। "भारतीय ज्ञान परंपरा" के अंतर्गत एनआईओएस के शैक्षिक विभाग ने संस्कृत माध्यम में माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक स्तर पर वेद अध्ययन, संस्कृत व्याकरण, भारतीय दर्शन, संस्कृत साहित्य, संस्कृत भाषा विषय के पाठ्यक्रम तैयार किए हैं। • राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान द्वारा मुक्त बेसिक शिक्षा कार्यक्रम स्तर क, ख तथा ग स्तर (जो औपचारिक शिक्षा की कक्षा 3, 5 और 8 के समकक्ष हैं) पर भी भारतीय ज्ञान परंपरा के क्षेत्र में वेद, योग, विज्ञान, संस्कृत भाषा विषय, व्यावसायिक कौशल के पाठ्यक्रमों का निर्माण किया जा चुका है। • भारतीय ज्ञान परंपरा के क्षेत्र में कार्य कर रहे गुरुकुलों / विद्यापीठों / संस्थाओ / शैक्षिक / इकाइयो के लिए विशेष प्रावधान किए गए है जिसके तहत किसी गैर सरकारी संस्थान (एनजीओ) / सोसाइटी द्वारा चलाया जा रहे ऐसे गुरुकुल / विद्यापीठ / संस्था / शैशिक इकाई जो माध्यमिक / उच्चत्तर माध्यमिक स्तर के लिए किसी शिक्षा मण्डल से मान्यता प्राप्त नहीं है वो भी निर्धारित निबंधन एवं शर्तो को पूरा कर प्रत्यायित संस्था (AI) के लिए आवेदन कर सकते है और भारतीय ज्ञान परंपरा के पाठ्यक्रमों की शुरुआत कर सकते है | • उपर्युक्त विषयान्तर्गत राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान भारतीय सांस्कृतिक विरासत के पक्षों को अपने पाठ्यक्रमों के माध्यम से अपने शिक्षार्थियों तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है।
8	09.12.2019 डॉ. सत्यनारायन जटीय	शिक्षा के प्रत्येक स्तर पर नैतिक मूल्य, सामाजिक और राष्ट्रीय कर्त्ताव्यों को शामिल करने की माँग	राष्ट्रीय मुक्त विध्यालयी मुक्त संस्थान, मुक्त एवं शिक्षा के दूरस्थ माध्यम से शिक्षा प्रदान करता है	राष्ट्रीय मुक्त विध्यालयी मुक्त संस्थान से मुक्त बेसिक शिक्षा, माध्यमिक तथा उच्चत्तर माध्यमिक स्तरों पर विभिन्न विषयो जेसे - सामाजिक विज्ञान, राजनीति विज्ञान, हिन्दी, अंग्रेज़ो, इतिहास, पर्यावरण अध्ययन इत्यादि की अध्ययन सामाग्री में नैतिक मूल्यों, सामाजिक और राष्ट्रीय कर्तव्यो को विस्तार से प्रस्तुत करने और सिखाने का प्रयास किया गया है	
9	09.12.2019 श्री शिव प्रताप शुक्ल	दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विशवविदलाय, गोरखपुर को केंद्रीय विशवविदलाय का दर्जा दिए जाने की माँग	राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) से संबन्धित नहीं है	
10	12.12.2019 श्री मो. नदीमुल हक़	उच्चतर शिक्षा में युवा भागीदारी बढ़ाने के लिए कदम उठाने की माँग	राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) से संबन्धित नहीं है	
11	12.12.2019 श्री टी. के. रंगराजन	भारतीय प्रोद्योगिकी संस्थानों में अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण लागू करने की माँग	राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) से संबन्धित नहीं है	